066

MAHD-01

June - Examination 2016

MA (Previous) Hindi Examination

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

Paper - MAHD-01

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : प्रश्न–पत्र खण्ड 'अ', 'ब' और 'स'मे विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघुत्तरात्मक है। खण्ड 'ब' लघुत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबन्धात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

(खण्ड – अ) **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर को एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(i) कवि विद्यापति की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए।

(ii) कबीर के काव्य में 'सुरत' किसे कहा गया है?

(iii) सूफी साधकों के अनुसार 'फना' का क्या अर्थ है?

(iv) 'श्री कृष्ण गीतावली' ग्रन्थ के रचयिता कौनसे कवि हैं?

(v) भूषण कृत 'शिवा बावनी' की विषयवस्तु संक्षेप में लिखिए।

(vi) 'विशिष्टाद्वैतवाद' के प्रवर्तक आचार्य का नाम बताइए?

(vii) दास्य भक्ति और सख्य भक्ति में विद्यमान अन्तर को लिखिए।

(viii) कवि चन्दवरदायी की सुकीर्ति का अनश्वर आधार कौनसा ग्रन्थ माना जाता है?

(खण्ड – ब) $4 \times 8 = 32$

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से कोई चार प्रश्न कीजिए। शब्द सीमा लगभग 200 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

समुद रुप गोरी सुबर। पंग ग्रेह भय कीन।।
चाहुआन तिन बिबध कै। सो ओपम कवि लीन।।
सो ओपम कवि लीन। समर कग्गद लिय हथ्थं।
भिरन पुच्छि बट सुरंग। बंधि चतुरंग रजथ्थं।।
समर सु मुक्कलि सोर। लोह फुल्यो जस कुमुदं।।
रा चावडं जैतसी। रा बड़ गुज्जर समुदं।

3) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

नव वृन्दावन, नव नव तरुगन, नव–नव विकसित फूल।
नवल वसंत, नवल मलयानिल, मातल नव अलिधूल।।
नवल रसाल, मुकुल–मधु मातल, नव कोकिल कुल गाब।
नव युवती गन चित उमताबए, नव रस कानन धाब।।
नव जुवराज, नवल बर नागरि, मीलए नव नव भाँति।।
नित नित ऐसन नव नव खेलन, विद्यापति मति भाति।।

4) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

जाग पियारी अब का सौवे।
रैन गई दिन काहे को खौवे।।
जिन जागा तिन मानिक पाया।
तैं बौरी सब सोय गँवाया।।
पिय तेरे चतुर तू मूरख नारी।
कबहूँ न प्रिय की सेज सँवारी।।
तू बौरी बौरापन कीन्हीं।
भर जोवन प्रिय अपन न चीन्हीं।।
जाग देख पिय सेज न तेरे।
ताहि छाँड़ि उठ गए सबेरे।।
कहैं कबीर सोई धुन जागै।
शब्द–बान उर अन्तर लागै।।

5) तुलसीदास ने रामराज्य की स्थापना का आदर्श किस प्रकार वर्णित किया है? समझाइए।

6) हिन्दी प्रेमाख्यान 'पद्मावत' में प्रबन्धात्मकता' पर प्रकाश डालिए।

7) लोकसंस्कृति ने मीरा के काव्य को किस प्रकार प्रभावित किया? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

8) पद्माकर की कृतियों का उल्लेख करते हुए उनके व्यक्तित्व का निरूपण कीजिए।

9) भूषण के काव्य में 'छन्द विधान' पर टिप्पणी लिखिए।

(खण्ड – स) $2 \times 16 = 32$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए। शब्द–सीमा अधिकतम 500 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) सूरदास के काव्य में भावपक्ष और कलापक्ष के सुन्दर समन्वय का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

11) ''कल्पना और भावना की समाहार शक्ति बिहारी के काव्य में अनुपम है।'' इस कथन की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

12) रीतिमुक्त काव्यधारा के प्रतिनिधि कवि घनानन्द के काव्य में अनुभूति पक्ष का विश्लेषन कीजिए।

13) 'हिन्दी साहित्य में तुलसीदास के योगदान' विषय पर एक लेख लिखिए